बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

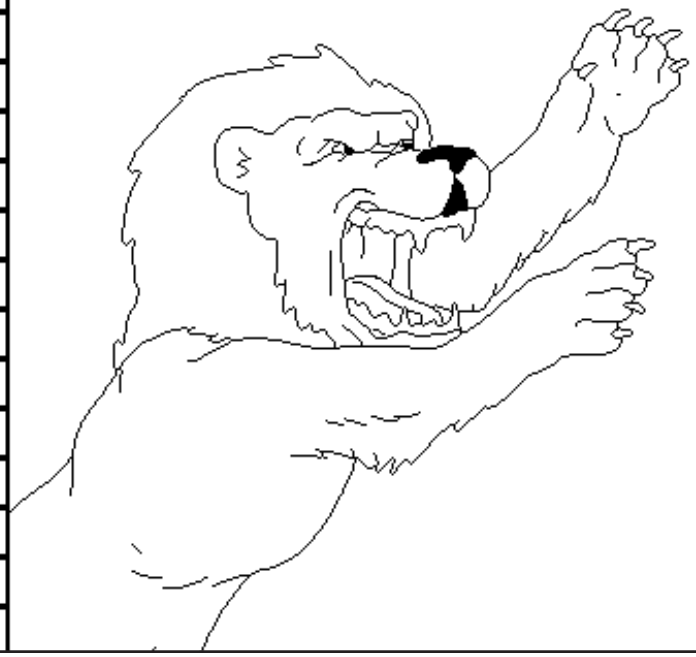

दानिय्येल और शेरों की माँद

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Jonathan Hay
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Mary-Anne S.

60 कहानियों में से 34 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

दारा बाबुल का नया राजा था। वह चतुर था। वह अपने शासन कल में मदद के लिए अपने राज्य में से सर्वश्रेष्ठ एक सौ बीस लोगों को चुना। फिर वह उनमें से तीन को उनका अधिकारी होने के लिए चुना। दानिय्येल उन तीन लोगों में से एक था।

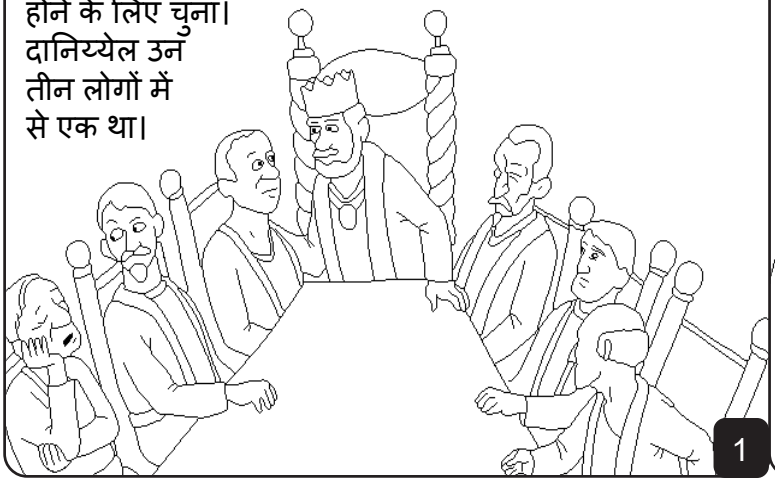

राजा दारा ने दानिय्येल का बहुत सम्मान किया यहाँ तक कि उसे पूरे राज्य पर शासक बनाने के बारे में सोच रहा था।

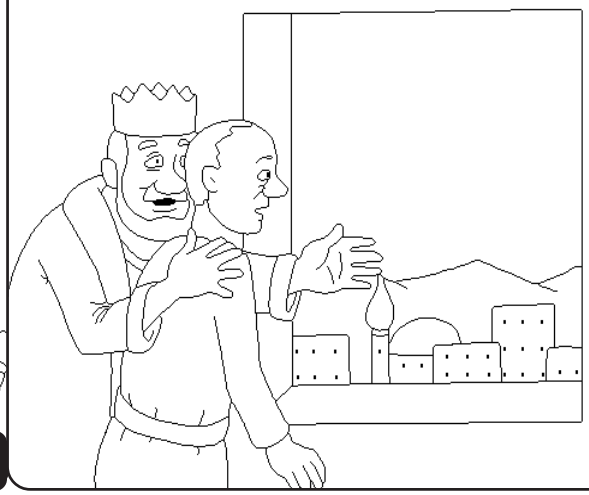

अन्य अगुवे ईर्ष्या करने लगे। वे दानिय्येल में कुछ गलती खोजने की योजना बनाये ताकि राजा का दानिय्येल के साथ कुछ समस्या पैदा कर सकें।

3

कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितनी कोशिश किये, लेकिन इन अगुओं ने दानिय्येल के बारे में कुछ बुरा नहीं पाया। दानिय्येल जो कुछ भी किया सब सच्चाई से किया। इसके अलावा, वह सावधान और चालाक था; और हमेशा सब कुछ करता, सर्वश्रेष्ठ तरीके से करता था।

4

ईर्ष्या करने वाले नेताओं को अब पता चल गया कि दानिय्येल को फ़साने का सिर्फ एक ही रास्ता है। वे जानते थे कि पृथ्वी पर कुछ भी उसे इस्राएल के परमेश्वर की पूजा करने से नहीं रोक सकती है।

5

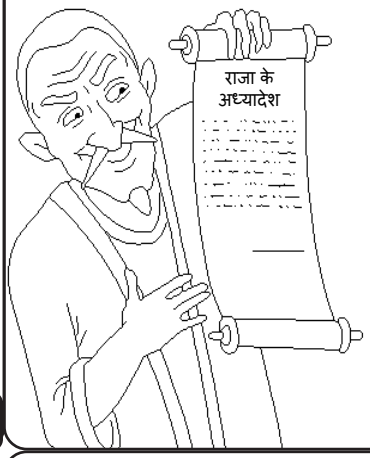

दानिय्येल के दुश्मनों ने एक और योजना बनायी। उन्होंने एक नया कानून बनाया ताकि राजा उनपर हस्ताक्षर करे। कानून के अनुसार हर किसी को केवल राजा से ही प्रार्थना करनी थी। यदि कोई भी बात नहीं माने तो उसे शेर की माँद में फेंक दिया जाए!

6

राजा दारा ने नए कानून पर हस्ताक्षर किया।

7

नए कानून से दानिय्येल को कोई फर्क नहीं पड़ा। वह जो हमेशा से करता आया था, करता रहा। वह अपनी खुली खिड़की से दिन में तीन बार घुटने पर आकर, स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना किया करता था।

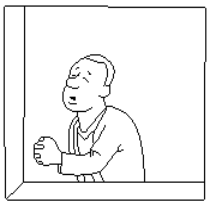

8

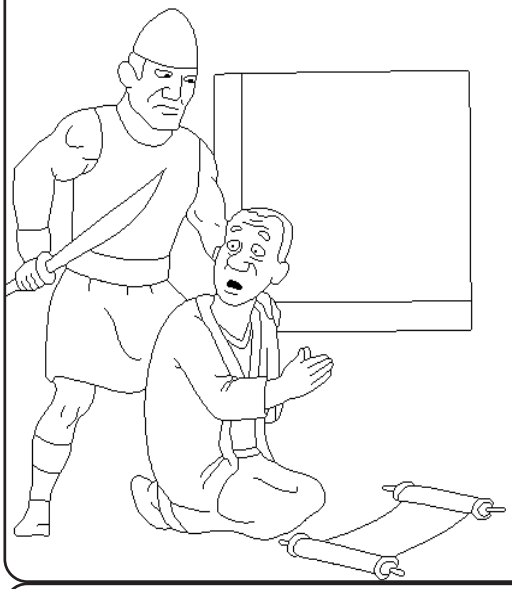

ईर्ष्या करने वाले अगुओं ने राजा को बताने के लिए रवाना हो गये। दानिय्येल को गिरफ्तार करने के अलावा राजा दारा के पास और कोई चारा नहीं था।

9

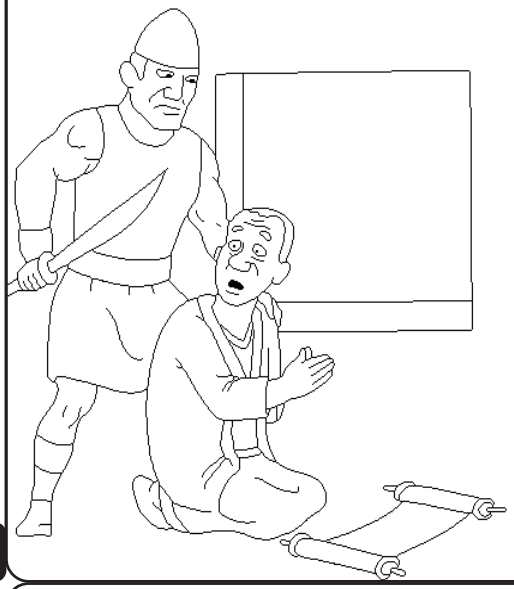

कानून का पालन किया जाना था। दानिय्येल मरने पर था। राजा ने बहुत कोशिश की, लेकिन कानून को बदलने के लिए उसे कोई भी रास्ता नहीं मिला।

10

दानिय्येल को शेर की माँद में डालने के द्वारा मृत्यु की सजा सुनाई गयी। दानिय्येल को भूखे शेर की माँद में डालने से पहले, राजा दारा ने उस से कहा, "तुम जिस परमेश्वर की लगातार सेवा करते हो, वही तुम्हें बचायेगा!"

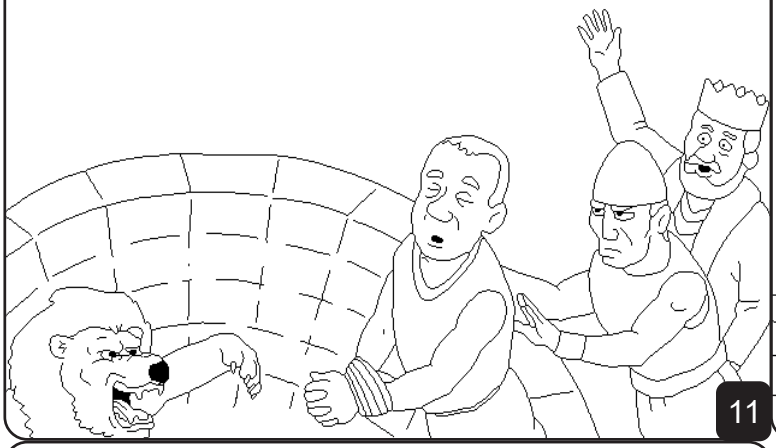

11

राजा उस रात सो न सका। तड़के अगली सुबह, वह वापस शेर की माँद पर पहुँचा।

12

राजा दारा ने पुकार कर कहा, "दानिय्येल, जीवित परमेश्वर जिसकी तू लगातार सेवा करता है, क्या तुम्हे शेरों से बचा लिया है?" हो सकता है कि वह जवाब की उम्मीद नहीं कर रहा था। लेकिन दानिय्येल ने जवाब दिया!

13

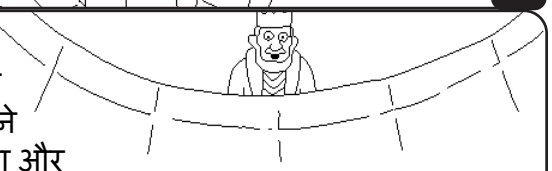

दानिय्येल ने कहा, हे राजा "मेरे जीविते परमेश्वर ने अपने दूत को भेजा और शेर का मुँह बंद कर दिया। अतः वे मुझे चोट नहीं पहुँचा सके है! और मैं भी तुम्हारे विरुद्ध कुछ गलत नहीं किया हूँ।"

14

राजा दारा बहुत खुश था! उसने दानिय्येल को माँद से बाहर निकालेन का आदेश दिया।

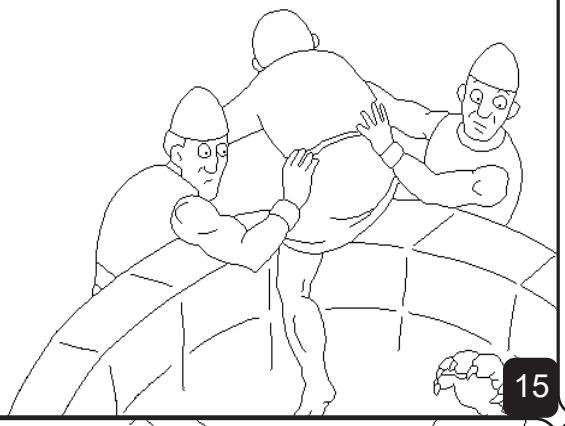

15

राजा जानता था कि परमेश्वर ने दानिय्येल को बचाया है और दानिय्येल के दुश्मन अब परमेश्वर के दुश्मन थे।

16

उसने एक आदेश दिया, और बुरे कानून पर हस्ताक्षर करने के लिए उसे धोखा देने वाले उन सभी को शेर की माँद में फेंक दिया गया। शेरों ने उन्हें खा लिया।

17

राजा दारा स्वर्ग के परमेश्वर के बारे में पूरी दुनिया को बताना चाहता था; कि कैसे उसने अपने वफादार सेवक, दानिय्येल की रक्षा की है। राजा ने एक पत्र लिखा जिसमे जीविते परमेश्वर की पूजा करने के लिए हर किसी को आज्ञा दी गयी थी। और राजा ने दानिय्येल का सम्मान किया और नेतृत्व करने के लिए उसे बहाल किया।

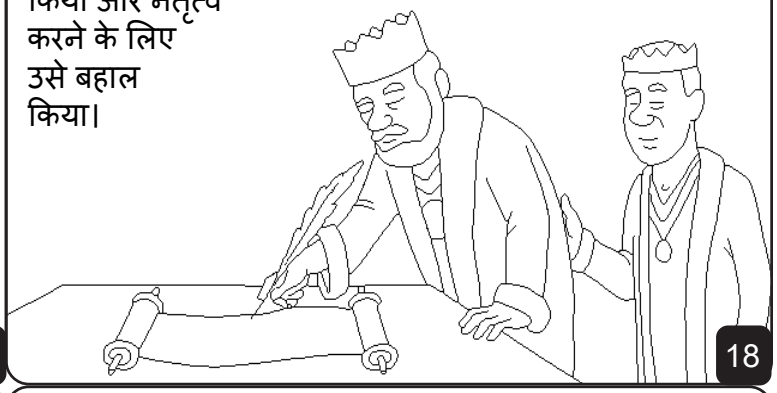

18

दानिय्येल और शेरों की माँद

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

दानिय्येल 6

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.